एक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है

डॉ. विजय सुखवानी
लेखक, मोटिवेशनल स्पीकर
v1sukhwani@gmail.com

दोस्तों आपने मनोज कुमार की क्लासिक फल्मि 'शोर' का मशहूर गाना 'एक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है, जिंदगी और कुछ भी नहीं तेरे मेरी कहानी है' जरूर सुना होगा, इस गीत में अत्यंत सरल शब्दों में ज़िन्दगी के फ़लसफ़े को बड़े ही खूबसूरत अंदाज़ में बयां किया गया है. लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के संगीत और लता मंगेशकर व मुकेश के गाये इस गाने को फ़िल्मी गानों का सॉन्ग ऑफ मिलेनियम कहा जाता है. आज हम बात करेंगे इसी 'सॉन्ग ऑफ मिलेनियम' के जादुई कलमकार महान कवि और गीतकार 'संतोष आनंद' जी की. हिंदी सिनेमा के जिन गीतकारों ने अपनी लेखनी से लाखों दिलों को स्पर्श किया है, उनमें संतोष आनंद का नाम बड़े ही आदर के साथ लिया जाता है. संतोष आनंद हिंदी सिनेमा के उन गीतकारों में गिने जाते हैं जिनके गीत केवल मनोरंजन नहीं बल्कि जीवन के दर्शन, प्रेम की गहराई और भावनात्मक संवेदनाओं का अद्धभुत संगम हैं.

संतोष आनंद का पूरा नाम संतोष कुमार मिश्र है. उनका जन्म उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में हुआ. मंचों के प्रसिद्ध कवि संतोष आनंद ने जब हिंदी सिनेमा के लिए गीत लिखना शुरू किया तो पहला गीत लिखा, 'पुरवा सुहानी आई रे'. 1970 में आई मनोज कुमार और सायरा बानो की फल्मि 'पूरब और पश्चिम' के इस गाने को बहुत सराहा गया. इसके कुछ समय बाद उनकी कलम से वो कालजयी गाना निकला जिसे सॉन्ग ऑफ मिलेनियम कहा गया. जैसी कि ऊपर चर्चा हुई, वो गीत था, मनोज कुमार और जया भादुड़ी की क्लासिक फल्मि 'शोर' का मशहूर गाना 'एक प्यार का नगमा है, मौजों की रवानी है, जिंदगी और कुछ भी नहीं'. ये गाना बड़ा मशहूर हुआ . क्या आपको पता है कि संतोष आनंद ने ये मशहूर गीत किसके लिए लिखा था एक कवि सम्मेलन में उन्होंने इस बात का खुलासा किया था कि उन्होंने ये सदाबहार गाना अपनी प्रेमिका के लिए लिखा था.

संतोष आनंद ने 1970 और 1980 के दशक में हिंदी फिल्मों के लिए कई यादगार गीत लिखे. उनकी सबसे बड़ी खासियत थी—सरल शब्दों में गहरे भावों को व्यक्त करना. उनके गीतों में प्रेम, पीड़ा, विरह और जीवन दर्शन की झलक मिलती है. संतोष आनंद ने 26 फिल्मों में विभिन्न सिचुएशन के लिये 109 गीत लिखे हैं, उनका संगीतकार लक्ष्मीकांत -प्यारेलाल के साथ तालमेल जबरदस्त था. उनके अधिकांश सुपरहिट गाने संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ रहे.

संतोष आनंद कहते हैं कि वे मशहूर अभिनेता और फ़िल्म निर्माता मनोज कुमार के बड़े आभारी हैं क्योंकि सबसे पहले मनोज कुमार ने ही उनकी कला को परखा, समझा और उन्हें ब्रेक दिया. मनोज कुमार की फिल्म 'पूरब और पश्चिम' के गीत 'पूरवा सुहानी आई रे' ने ही उन्हें पहचान दी, इसके बाद तो मानो मनोज कुमार उनकी लेखनी के मुरीद हो गए. उन्होंने अपनी कई फिल्मों में संतोष आनंद से गाने लिखवाए. खुद एक अच्छे गीतकार और लेखक होने की वजह से मनोज कुमार को कला और गीतों की अच्छी समझ थी . साल 1974 में मनोज कुमार की फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' में उन्होंने दो गीत 'मैं ना भूलूंगा', एवं 'और नहीं बस और नहीं, ग़म के प्याले और नहीं' लिखे, इन दोनों ही गीतों को फ़िल्म

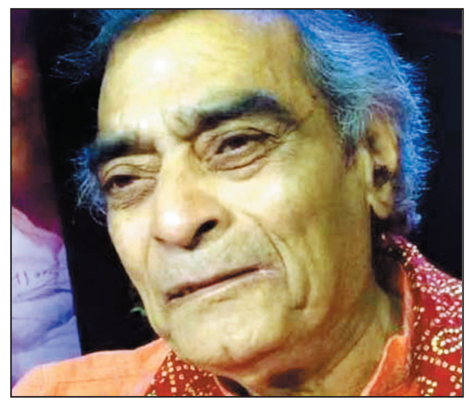

फेयर पुरस्कार मिला , 'मैं ना भूलूंगा के लिये' उन्हें सर्वश्रेष्ठ गीतकार का और 'और नहीं बस और नहीं' के लिये महेंद्र कपूर को सर्वश्रेष्ठ गायक का फ़िल्म फेयर प्राप्त हुआ .

इसी क्रम में साल 1981 में संतोष आनंद ने मनोज कुमार की मशहूर फिल्म 'क्रांति' के गीत लिखे जो सारे हिट साबित हुए और ये फ़िल्म उस वर्ष की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी. इसी प्रकार मशहूर फिल्मकार राज कपूर क़ी फ़िल्म 'प्रेम रोग' के संतोष आनंद के लिखे गानों, 'मुहब्बत है क्या चीज़', 'ये गलियां ये चौबारा', 'भंवरे ने खिलाया फूल', 'मेरी किस्मत में तू नहीं शायद' ने लोकप्रियता के नये आयाम गढ़े . संतोष आनंद ने कई अन्य फिल्मों में भी यादगार गीत लिखे, जिनमें 'प्यासा सावन', 'डिस्को डांसर', 'लव 86, 'तहलका', 'तिरंगा', 'प्रेम अगन', 'बड़े घर की बेटी', 'संगीत' जैसी कई सफल फिल्में शामिल हैं. इन फिल्मों के गीत आज भी अत्यंत लोकप्रिय हैं. संतोष आनंद के लिखे कुछ अन्य लोकप्रिय गीत इस प्रकार हैं, 'जिंदगी की न टूटे लड़ी', 'दुर्गा हैं मेरी मां', 'चना जोर गरम', 'अब के बरस तुझे' (क्रांति), 'मेघा रे मेघा रे', 'तेरा साथ है तो मुझे क्या कमी है' (प्यासा सावन), 'दिल दीवाने का डोला दिलदार के लिये' (तहलका), 'ओ रब्बा क़ोई तो बताये इश्क़ होता है क्या' (संगीत), 'ये शान तिरंगा' (तिरंगा), 'जिनका घर हो अयोध्या जैसा' (बड़े घर की बेटी) आदि.

संतोष आनंद का जीवन संघर्षों से भरा रहा है. जवानी में एक दुर्घटना में उन्होंने अपना एक पैर खो दिया और फिर वर्ष 2014 में उनके जवान बेटे और बहू के आकस्मिक निधन ने उन्हें पूरी तरह से तोड़ दिया. उनके बेटे संकल्प आनंद ने पत्नी के साथ सुसाइड कर लिया था, परन्तु इन तमाम पारिवारिक परेशानीयों और आर्थिक तंगी के बावजूद, उन्होंने हमेशा अपने स्वाभिमान को बनाए रखा. कुछ वक़्त पहले जब वे टीवी शो 'इंडियन आइडल' के मंच पर आए, तो उनकी सादगी और उनके संघर्ष की मार्मिक कहानी ने सब को भावुक कर दिया था. संतोष आनंद को उत्कृष्ट गीत लेखन के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं. फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' के गीत 'मैं ना भूलूंगा' के अलावा 1983 में आई फिल्म 'प्रेम रोग' के यादगार गीत 'मुहब्बत है क्या चीज' के लिए भी उन्हें फिल्मफेयर अवार्ड मिला था.

उनकी सबसे बड़ी विशेषता है—सरलता और संवेदनशीलता. वे कठिन शब्दों का प्रयोग नहीं करते, बल्कि आम बोलचाल की भाषा में गहरे अर्थ प्रस्तुत करते हैं. यही कारण है कि उनके गीत हर वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय हैं . वे न केवल एक गीतकार, बल्कि एक बेहद संवेदनशील कवि भी हैं, जिनकी लेखनी ने निश्चित ही हिंदी फिल्म संगीत को समृद्ध किया है. 87 वर्षीय संतोष आनंद आज भी कवि सम्मेलनों में अपनी रचनाओं से लोगों को भावुक कर देते हैं.आज के लिये इतना ही, अगले सप्ताह फिर मुलाक़ात होगी, तब तक संतोष आनंद का ये महान गीत सुनिए और इसके भावों को महसूस कीजिये

एक प्यार का नग़मा है, मौजों की रवानी है
ज़िंदगी और कुछ भी नहीं, तेरी मेरी कहानी है

कुछ पाकर खोना है, कुछ खोकर पाना है
जीवन का मतलब तो, आना और जाना है
दो पल के जीवन से, एक उम्र चुरानी है

तू धार है नदिया की, मैं तेरा किनारा हूँ
तू मेरा सहारा है, मैं तेरा सहारा हूँ
आँखों में समंदर है, आशाओं का पानी है

तूफ़ान तो आना है, आकर चले जाना है
बादल है ये कुछ पल का, छाकर ढल जाना है
परछाइयाँ रह जातीं, रह जाती निशानी है

जो दिल को तसल्ली दे, वो साज़ उठा लाओ
दम घुटने से पहले ही, आवाज़ उठा लाओ
खुशियों की तमन्ना है, अश्कों की रवानी है

जो बीत गया है वो, अब दौर न आएगा
इस दिल में सिवा तेरे, क़ोई और न आएगा
घर फूंक दिया हमने, अब राख़ उठानी है

तुम साथ न दो मेरा, चलना मुझे आता है,
हर आग से वाक़िफ़ हूँ, जलना मुझे आता है
तदबीर के हाथों से, तक़दीर बनानी है,
ज़िन्दगी और कुछ भी नहीं, तेरी मेरी कहानी है.

(इस गीत के आखिर के दो बंध फ़िल्म के गीत में शामिल नहीं किये गए थे)

सुम्बुल के साथ रिश्ता बेहद खूबसूरत और दोस्ताना है : भूमिका

अभिनेत्री भूमिका गुरंग ने बताया कि सुम्बुल तौकीर खान के साथ उनका रिश्ता बेहद खूबसूरत और दोस्ताना है.

सोनी सब का शो इत्ती सी खुशी अपनी दिल छू लेने वाली भावनाओं और रोमांचक ड्रामा के साथ दर्शकों को लगातार जोड़े हुए है. जहां अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान) हर कदम पर अपने पति विराट (रजत वर्मा) और अपने भाई-बहनों की रक्षा करने के लिए दृढ़ रहती है, वहीं मौजूदा ट्रैक में कहानी एक तीखे मोड़ पर पहुँचती है जब सारा सेठी (भूमिका गुरंग) अन्विता के परिवार के चारों ओर एक खतरनाक जाल बुनना शुरू करती है. इससे तनाव, भावनात्मक टकराव और अप्रत्याशित मोड़ कहानी में और गहराई जोड़ते हैं.

ऑनस्क्रीन दोनों किरदारों के बीच कड़वाहट और तीव्र प्रतिद्वंद्विता देखने को मिलती है, लेकिन ऑफस्क्रीन भूमिका और सुम्बुल के बीच एक खूबसूरत दोस्ती और सहज रिश्ता है. सेट पर उनकी गर्मजोशी और सहज समझ सबसे कठिन दृश्यों को भी आसान बना देती है. यही ऑफस्क्रीन तालमेल उनके अभिनय में झलकता है और ऑनस्क्रीन टकराव को और भी असली और असरदार बनाता है. समय के साथ दोनों के बीच एक गहरी दोस्ती भी विकसित हुई है, जो व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के दौरान सेट पर सकारात्मक माहौल बनाए रखती है.

भूमिका गुरंग ने अपने बॉन्ड के बारे में बताते हुए कहा, 'सुम्बुल के साथ काम करना सचमुच बहुत प्यारा अनुभव रहा है. वह बेहद गर्मजोशी से भरी, पॉज़िटिव और मज़ेदार इंसान हैं. ऑनस्क्रीन हमारे किरदारों के बीच लगातार टकराव और तीव्रता रहती है, लेकिन जैसे ही डायरेक्टर 'कट' कहते हैं, हम अक्सर हँसते हुए या किसी भी बात पर मज़े से बातें करते हुए

ग्लोरी' के पुलकित सम्राट ने की जबरदस्त तैयारी

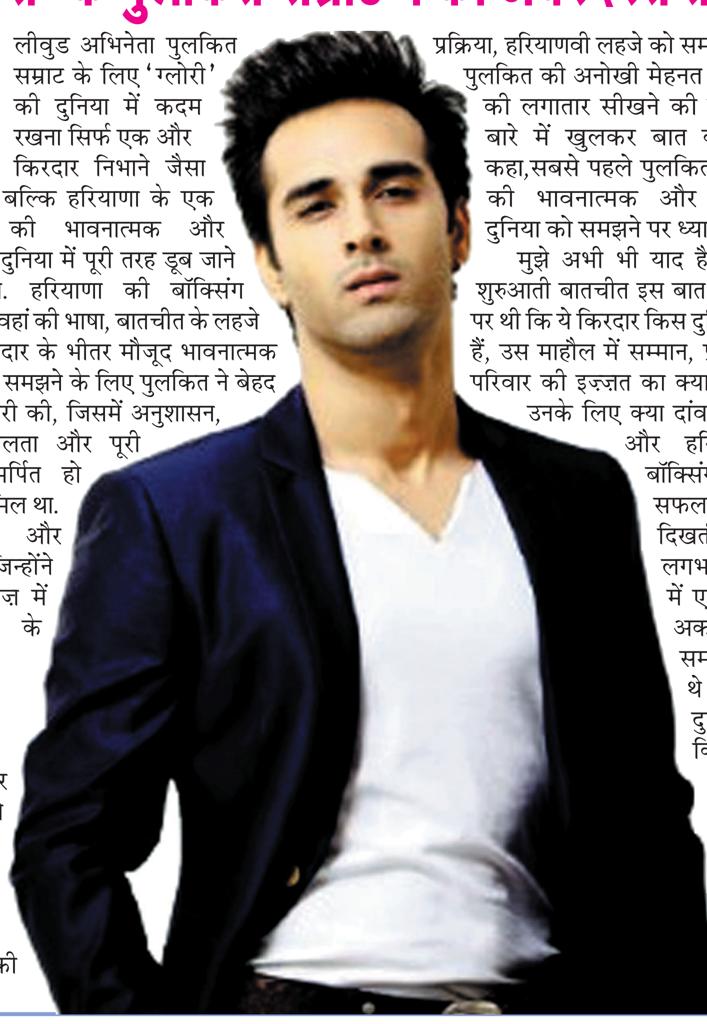

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट के लिए 'ग्लोरी' की दुनिया में कदम रखना सिर्फ एक और किरदार निभाने जैसा नहीं था, बल्कि हरियाणा के एक बॉक्सर की भावनात्मक और शारीरिक दुनिया में पूरी तरह डूब जाने जैसा था. हरियाणा की बॉक्सिंग संस्कृति, वहां की भाषा, बातचीत के लहजे और किरदार के भीतर मौजूद भावनात्मक अंधेरे को समझने के लिए पुलकित ने बेहद गहन तैयारी की, जिसमें अनुशासन, संवेदनशीलता और पूरी तरह समर्पित हो जाना शामिल था.

राघव और संजय, जिन्होंने इस सीरीज़ में पुलकित के साथ परफॉर्मेंस और इमोशनल तैयारी पर करीब से काम किया, उन्होंने 'ग्लोरी' के पीछे की क्रिएटिव प्रक्रिया, हरियाणवी लहजे को समझने के लिए पुलकित की अनोखी मेहनत और उनकी की लगातार सीखने की जिज्ञासा के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने कहा,सबसे पहले पुलकित ने किरदार की भावनात्मक और सामाजिक दुनिया को समझने पर ध्यान दिया.

मुझे अभी भी याद है कि हमारी शुरुआती बातचीत इस बात को समझने पर थी कि ये किरदार किस दुनिया से आते हैं, उस माहौल में सम्मान, प्रतिष्ठा और परिवार की इज़्ज़त का क्या मतलब है, उनके लिए क्या दांव पर लगा है और हरियाणा की बॉक्सिंग संस्कृति में सफलता कैसी दिखती है, जहां लगभग हर गली में एक बॉक्सिंग अकादमी है. हम समझना चाहते थे कि ऐसी दुनिया में किसी के लिए सबसे अलग उभरकर आना वास्तव में कितना मुश्किल होता है.

नेहा धूपिया और अंगद बेदी पहली बार एक साथ

नेहा धूपिया और अंगद बेदी पहली बार एक साथ होस्ट के रूप में दर्शकों के सामने आने जा रहे हैं. दोनों अपने नए नॉन-फिक्शन शो डबल डेट के ज़रिए दर्शकों को मनोरंजन का एक नया और मज़ेदार अनुभव देने के लिए तैयार हैं. शो का ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है, जिसमें हंसी-मज़ाक, मज़ेदार खेल, दिलचस्प बातचीत और इंडस्ट्री के लोकप्रिय सेलिब्रिटी कपल्स, दोस्तों और खास जोड़ियों के साथ कई यादगार पल देखने को मिलते हैं.अपने रंगीन और हल्के-फुल्के अंदाज़ के साथ डबल डेट में ह्यूमर, दोस्ती, मज़ेदार मुकाबले और बिना किसी बनावट वाली बातचीत का शानदार मेल देखने को मिलेगा. गो-कार्टिंग, बॉलिंग, पिज्जा बनाने की चुनौती और कई मज़ेदार एक्टिविटीज़ के ज़रिए नेहा और अंगद अपने मेहमानों का सबसे मज़ेदार, भावुक और मनोरंजक रूप सामने लाते नज़र आएंगे. डबल डेट का पहला एपिसोड कल यानी गुरुवार, 14 मई को नेहा धूपिया के यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ होगा. इसके बाद हर गुरुवार नए एपिसोड देखने को मिलेंगे. पहले एपिसोड में कॉमेडी क्वीन भारती सिंह अपने पति हर्ष लिंबाचिया के साथ नज़र आएंगी, जो पूरे सीज़न की मज़ेदार शुरुआत करेंगे.

शो में कई लोकप्रिय सेलिब्रिटी जोड़ियां भी नज़र आएंगी, जिनमें हुमा कुरैशी अपने भाई साकिब सलीम के साथ, तेजस्वी प्रकाश और कारण कुंद्रा, रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी, सोहा अली खान अपनी बहन सबा अली खान के साथ, अपारशक्ति खुराना अपनी पत्नी आकृति खुराना के साथ, रेहा चक्रबर्ती अपने भाई शेविक चक्रबर्ती के साथ और रसिका दुगल अपने पति मुकुल चड्ढा के साथ शामिल होंगे. इसके अलावा साइरस ब्रोचा, साइरस साहूकार और कई अन्य मेहमान भी शो में मनोरंजन का तड़का लगाएंगे.

शो के बारे में बात करते हुए नेहा और अंगद ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'हमने डबल डेट इसलिए शुरू किया क्योंकि हम साथ मिलकर कुछ ऐसा बनाना चाहते थे जो सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, बल्कि दर्शकों के लिए भी सच में मज़ेदार हो. बातचीत और इंटरव्यू के दोनों पहलुओं को समझने के बाद हम अपने मेहमानों को एक ऐसा सुरक्षित और आरामदायक माहौल देना चाहते थे, जहां वे खुलकर मस्ती कर सकें, भावुक हो सकें, अचानक कुछ भी कर सकें और बिना किसी डर के खुद जैसे हैं वैसे रह सकें.

द ग्रेट ग्रैंड सुपर हीरो का ट्रेलर रिलीज

बॉलीवुड स्टार जैकी श्रॉफ की फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है. जैकी श्रॉफ फिल्म की द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो इसी दिलचस्प सवाल को बड़े मनोरंजक अंदाज़ में पेश करती है. ज़ी स्टूडियोज़ और अमदावाद फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाती है जहां बचपन की कल्पनाएं एलियन इनवेज़न से टकराती हैं. यह फिल्म भारतीय सुपरहीरो संस्कृति को नई पहचान देती है और बच्चों के लिए लंबे समय से इंतजार की जा रही एक बड़ी भारतीय फिल्म साबित हो सकती है.

फिल्म के केंद्र में हैं जैकी श्रॉफ, जो अपने किरदार में हास्य, रहस्य, गर्मजोशी और आकर्षण का अनोखा मिश्रण लेकर आते हैं. क्या वह सच में सुपरहीरो हैं या यह सिर्फ एक बच्चे की कल्पना है जो अपने दादाजी को दुनिया का सबसे बड़ा हीरो मानता है? ट्रेलर इसी रहस्य को अंत तक बनाए रखता है.

जैकी श्रॉफ ने कहा, 'इस फिल्म की सबसे खास बात बच्चों की कल्पनाओं की दुनिया को देखना है. बचपन में हम सभी को लगता था कि हमारे हीरो कुछ भी कर सकते हैं. इस ट्रेलर में वही मासूमियत, पागलपन और रोमांच है. इसमें एडवेंचर, एलियंस, एंटरटेनमेंट और एक सोशल मैसेज भी है.'

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक मनीष सैनी ने कहा, 'बच्चे दुनिया को सबसे मजेदार तरीके से देखते हैं. वे छोटी-सी घटना को भी सुपरहीरो कहानी बना सकते हैं. हम उसी ऊर्जा को फिल्म में लाना चाहते थे.'

इस फिल्म में प्रतीक स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दसानी, शरद सक्सेना, मिहिर गोडबोले, दुर्गेश कुमार, सहर्ष शुक्ला, शिवांश चोरगे और कुमार सौरभ भी नजर आएंगे. द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो 29 मई

हेली शाह की लंदन डायरीज हैं परफेक्ट ट्रैवल गोल्स

टेलीविज़न अभिनेत्री हेली शाह इन दिनों लंदन की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं, और उनकी लेटेस्ट ट्रैवल तस्वीरें फैंस को मेजर वेकेशन इंस्पिरेशन दे रही हैं. खूबसूरत बोट राइड्स से लेकर ऐतिहासिक वास्तुकला से सजी सपनों जैसी गलियों तक, एक्ट्रेस अपने इस शानदार ट्रिप को पूरी तरह एंजॉय करती नजर आ रही हैं .हाल ही में हेली ने अपने फैंस के साथ अपने सोशल मीडिया पर अपनी लंदन डायरीज़ की कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिनका हर फ्रेम किसी पोस्टकार्ड से कम नहीं लग रहा. कभी वह आइकॉनिक हेरिटेज बिल्डिंग्स के पास पोज देती नज़र आ रही हैं, तो कभी शहर की शांत जलधाराओं में सुकूनभरी बोट राइड का आनंद लेती नजर आ रही हैं. तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद रिलैक्स, खुश और पूरी तरह हॉलीडे मूड में दिखाई दे रही हैं. फिलहाल इन तस्वीरों के साथ हेली का स्टाइलिश ट्रैवल वॉर्डरोब भी लोगों का ध्यान खींच रहा है. कोज़ी और फैशनेबल लुक को अपनाते हुए उन्होंने ब्लैक फज़ी ओवरसाइज़्ड जैकेट को डेनिम मिनी आउटफिट के साथ पेयर किया है, जिसे उन्होंने ब्लैक टाइट्स और चंकी कॉम्बैट बूट्स के साथ स्टाइल किया है. इसी के साथ उन्होंने स्लिक सनग्लासेस, वायरलेस ईयरबड्स और क्लासिक ब्लैक स्लिंग बैग ने उनके ट्रैवल लुक को और भी स्टाइलिश बना दिया है .इसके अलावा कुछ तस्वीरों में हेली कैजुअल डेनिम शर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं, जो लंदन के मूडी मौसम के साथ पूरी तरह मैच कर रही है.

रकुल ने इंदौर में बढ़ाया 'पति पत्नी और वो दो' का क्रेज

अपनी बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एंटरटेनर 'पति पत्नी और वो दो' की रिलीज से पहले अभिनेता आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने इंदौर में प्रमोशनल टूर के दौरान खूब धमाल मचाया. आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने शहर के दौरे की शुरुआत स्थानीय मीडिया से बातचीत के साथ की, जहाँ उन्होंने फिल्म, अपने किरदारों और रिलीज से पहले ट्रेलर और गानों को मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स के बारे में बात की.इसके बाद दोनों इंदौर के एक लोकप्रिय कॉलेज पहुंचे, जहाँ उन्होंने छात्रों से मुलाकात की, फिल्म के गानों पर डांस किया और दर्शकों से जबरदस्त प्यार पाया. दोनों की एक झलक पाने के लिए फैंस की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे माहौल बेहद जोशीला और उत्साहपूर्ण हो गया. इंदौर दौरे को और यादगार बनाते हुए आयुष्मान और रकुल ने शहर के प्रसिद्ध छप्पन दुकान मार्केट में भी रुककर स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ उठाया और फैंस एवं स्थानीय लोगों के साथ समय बिताया.

गुलशन कुमार, बी आर चोपड़ा और टी-सीरीज प्रस्तुत,टी - सीरीज फिल्म्स और बी आर स्टूडियोज़ प्रोडक्शन की फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का निर्देशन मुदस्सर अज़ीज़ ने किया है, जबकि इसे भूषण कुमार, रेणु रवि चोपड़ा और कृष्ण कुमार ने प्रोड्यूस किया है और जुनो चोपड़ा क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं. यह फिल्म 15 मई को रिलीज होगी.

पंजाबी सीखना मेरे लिए खुशी जैसा था : सोनल

अभिनेत्री सोनल चौहान का कहना है कि पंजाबी सीखकर उन्हें बहुत खुशी हुई. अभिनेत्री सोनल चौहान अपनी पंजाबी फिल्मी यात्रा को लेकर बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि उनकी फिल्म शेरा जल्द रिलीज़ होने जा रही है. यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. पारिवारिक ड्रामा पर आधारित इस फिल्म में परमिश वर्मा और सोनल चौहान मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. इस फिल्म के जरिए पंजाबी सिनेमा में डेब्यू कर रहीं सोनल ने बताया कि पंजाबी भाषा में अभिनय करना उनके लिए बेहद आनंददायक और समृद्ध अनुभव रहा है, खासकर क्योंकि उन्हें पहले से ही पंजाबी भाषा, संगीत और संस्कृति से गहरा लगाव रहा है.

अपनी खुशी जाहिर करते हुए सोनल ने कहा, 'मुझे पंजाब से इश्क हो गया है. मुझे हमेशा से पंजाबी भाषा बहुत पसंद रही है और 'शेरा' मेरे लिए पंजाबी सीखने और उसे और बेहतर तरीके से समझने का एक शानदार अवसर बनकर आई. मैं हमेशा से पंजाबी संगीत सुनती आई हूं और इस भाषा में मुझे एक अलग ही खुशी महसूस होती है. परमिश एक बेहतरीन को-स्टार रहे हैं और उन्होंने मेरी डायलॉग डिलीवरी को बेहतर बनाने में हर समय मदद की, जो शूटिंग के दौरान मेरे लिए बहुत सहायक साबित हुई. अब मैं थोड़ी बहुत पंजाबी बोल लेती हूं, लेकिन उम्मीद है कि अपनी अगली पंजाबी फिल्म तक मैं इसमें पूरी तरह माहिर हो